Dr. Girdhari Lal Sharma.

ISSN 0974-8857

तुलसी प्रज्ञा

TULSÍ PRAJÑÁ

वर्ष 42 • अंक 167-168 • जुलाई-दिसम्बर 2015

A Peer Reviewed Research Quarterly

जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूँ - 341 306 (राजस्थान) भारत
JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE
Ladnun - 341 306, Rajasthan, India

Scanned with CamScanner

तुलसी प्रज्ञा ISSN 0974-8857

TULSĪ PRAJÑĀ

A Peer Reviewed Research Quarterly of Jain Vishva Bharati Institute

YEAR-42 VOL.-167-168 JULY-DECEMBER, 2015

अनुक्रमणिका / CONTENT

ENGLISH SECTION

Subject	Author	Page No.
Ācārāṅga-Bhāṣyam	Ācārya Mahāprajña	05-08
Non-violence: It's Different Aspects	Prof. B.R. Dugar	09-20
Tragedies in Sanskrit (Literature) Dramas: A Resume	Dr Chandramouli S. Naikar	21-26
Health and Happiness in Jainism	Dr. Samani Rohit Pragya	27-37
Use and Evolution of Languages in Jain Literature	Abhishek Jain	38-48
Veganism with Jainism : A Better Life for Everyone	Gabrial Mc Carty	49-62

हिन्दी खण्ड

विषय	लेखक	पृ. संख्या
उमास्वति और उनका तत्त्वार्थसूत्र	प्रो. सागरमल जैन	63-72
समाधिमरण के वैदिक पुराणगत उल्लेख	प्रो. दामोदर शास्त्री	73-83
तत्त्वार्थश्लोकवार्तिक में निर्विकल्पक प्रत्यक्ष एवं स्वसंवेदन प्रत्यक्ष	प्रो. धर्मचन्द जैन	84-95
अहिंसा का आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक पक्ष : आचाराङ्ग के परिप्रेक्ष्य में	डॉ. समणी संगीत प्रज्ञा	96-109
शिक्षा के विकास में सम्यग् दर्शन की भूमिका : एक अध्ययन	डॉ. गिरधारीलाल शर्मा	110-114
आचार्य कुन्दकुन्द के आधार पर निश्चय और व्यवहार नय की समीक्षा	डॉ. आलोक कुमार जैन	115-125

Scanned with CamScanner